

सत्यमेव जयते  
राजस्थान सरकार

नव उत्थान - नई पहचान

बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

श्री नरेन्द्र मोदी  
माननीय प्रधानमंत्रीश्री भजनलाल शर्मा  
माननीय मुख्यमंत्री

## राजस्थान पुलिस

सुदृढ़ीकरण, सेवा और सुरक्षा के नए अध्याय का सूत्रपात

काँनिस्टेबल  
नव नियुक्ति समारोहराजस्थान पुलिस में नव-चयनित 10,000  
काँनिस्टेबल को नियुक्ति पत्रों का वितरण

मुख्य अतिथि

श्री अमित शाह

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

गरिमामयी उपस्थिति

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

## विगत दो वर्ष-राजस्थान पुलिस-आपकी सुरक्षा-हमारा संकल्प

- एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, वर्ष 2023 की तुलना में नवम्बर 2025 तक फायर आर्म्स के उपयोग के प्रकरणों में 36.03 प्रतिशत की कमी
- एसआईटी का गठन, गत 2 वर्षों में किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में पेपर लीक की घटना नहीं
- संकट में त्वरित सहायता के लिए 1 हजार पुलिस मोबाइल यूनिट्स/प्रथम परिवादी वाहन तैनात
- अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन
- साइबर क्राइम पर नियंत्रण हेतु 27 साइबर हेल्पलाइन एवं प्रत्येक जिले में साइबर थाने का संचालन
- अपराधों में वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2025 में 14.13 प्रतिशत की कमी
- महिला अत्याचार में वर्ष 2023 की तुलना वर्ष 2025 में 9.94 प्रतिशत की कमी
- दुष्कर्म प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय वर्ष 2023 में 106 से घटकर वर्ष 2025 में 56 दिवस
- पोक्सो एक्ट के प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय वर्ष 2023 में 102 से घटकर वर्ष 2025 में 59 दिवस
- एसटी/एससी अत्याचारों में वर्ष 2023 की तुलना वर्ष 2025 में 28.29 प्रतिशत की कमी

10 जनवरी, 2026 | दोपहर 1:30 बजे | राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

पुलिस विभाग, राजस्थान

## विचार बिन्दु

हमेशा याद रखिए कि सफलता के लिए किया गया आपका अपना संकल्प किसी भी और संकल्प से ज्यादा महत्व रखता है। –अब्राहम लिंकन

# नई नीतियां, नया दौर : राजस्थान का युवा और बदलती सरकारी सोच

राजस्थान सरकार ने हाल के वर्षों में जिस दृढ़ संकल्प और दूरदृष्टि के साथ युवा सशक्तिकरण की नीतियाँ तैयार की हैं, वह न केवल राज्य के भविष्य को मजबूत करने वाली है, बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल प्रस्तुत कर रही है। नई सरकार ने सत्ता संभालते ही युवाओं की बेरोजगारी, कौशल अभाव और सीमित अवसरों जैसी चुनौतियों को प्राथमिकता दी और ठोस कदम उठाए, जो यह सिद्ध करते हैं कि युवा राज्य की प्राथमिक पूँजी हैं। रोजगार नीति 2025, कौशल विकास नीति 2025 और युवा नीति जैसे व्यापक दस्तावेजों के माध्यम से सरकार ने शिक्षा से रोजगार तक की पूरी श्रृंखला को एकीकृत कर दिया है, जिससे लाखों युवाओं के सपनों को पंख लगने लगे हैं।

राजस्थान सरकार की सोच में मूलभूत परिवर्तन आया है, जहाँ युवा को अब केवल नौकरी का इंतजार करने वाला नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर उद्यमी, नवाचारी और सामाजिक परिवर्तनकर्ता के रूप में देखा जा रहा है। पहले की नीतियाँ अक्सर विभागों तक सीमित रहती थीं, लेकिन अब समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए शिक्षा, उद्योग, स्टार्टअप और सामाजिक विकास को जोड़ा गया है। सरकार ने स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए हैं पाँच वर्षों में 1० लाख नई नौकरियाँ सृजित करना, 20 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना और स्टार्टअप इकोसिस्टम को दोगुना करना जो न केवल घोषणाएँ हैं, बल्कि बजट प्रावधानों और क्रियान्वयन तंत्र के साथ बँधे हुए हैं। यह बदलाव सराहनीय है, क्योंकि यह युवा आबादी को बोझ से पूँजी में बदलने को रणनीति है।

कौशल विकास के क्षेत्र में राजस्थान सरकार के प्रयास प्रगतिशील और भविष्योन्मुखी हैं। कौशल विकास नीति 2025 के तहत 500 से अधिक नए स्किल सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ एआई, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी, सोलर एनर्जी और डिजिटल मार्केटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों पर फोकस है। सरकार ने उद्योग भागीदारों के साथ 200 से अधिक मेमोरैंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग साइन किए हैं, जिससे प्रशिक्षण 80 प्रतिशत प्लेसमेंट से जुड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल स्किल वैन और महिलाओं के लिए विशेष बैच चलाए जा रहे हैं, जो सामाजिक समावेश को सुनिश्चित करते हैं। हाल ही में आयोजित क्षेत्रीय एआई प्रभाव सम्मेलन में एक लाख युवाओं को एआई प्रशिक्षण देने का ऐलान सराहनीय है, जो राजस्थान को डिजिटल अर्थव्यवस्था का हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर है।

राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, लोक कलाएँ, लोकसाहित्य और इतिहास भी युवाओं के लिए प्रेरणा और आत्मसम्मान का स्रोत बन सकते हैं। यदि नीतियाँ इस बात का ध्यान रखें कि युवा केवल आर्थिक इकाई नहीं, बल्कि सांस्कृतिक वाहक भी है, तो उसे अपने प्रदेश और परंपरा से जुड़ने के ज्यादा अवसर मिलेंगे। विरासत पर्यटन, लोककला आधारित उद्यम, ग्रामीण और रेगिस्तानी क्षेत्रों में सांस्कृतिक इको पर्यटन जैसी अवधारणाएँ युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार, उद्यम और गौरव, तीनों दे सकती हैं। इससे पलायन कम हो सकता है और गाँव-कस्बों में भी नई आर्थिक ऊर्जा का संचार हो सकता है।

## कौशल विकास के क्षेत्र में राजस्थान सरकार के प्रयास प्रगतिशील और भविष्योन्मुखी हैं। राजस्थान सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विजन से युवा शक्ति को सही दिशा दी जा सकती है। ये नीतियाँ न केवल राजस्थान को समृद्ध बना रही हैं, बल्कि युवाओं को वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी बना रही हैं।

सामुदायिक स्तर पर कार्यरत करने के लिए किया गया, जो ग्रामीण विकास में उनकी भूमिका बढ़ाता है। ये कदम न केवल बेरोजगारी दर घटाने में सहायक हैं, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास का संचार भी कर रहे हैं।

स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने में राजस्थान सरकार अग्रणी भूमिका निभा रही है। स्टार्टअप फंड में 500 करोड़ का प्रावधान, इनक्यूबेशन सेंटरस का विस्तार और आई-स्टार्ट जैसे कार्यक्रमों से 1० हजार नए स्टार्टअप उभर रहे हैं। विशेष रूप से एमएसएमई और ग्रामीण उद्यमों के लिए सस्ते ऋण, टेक्न हट्ट और मार्केट लिंकेज प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं और पिछड़े वर्गों के युवा उद्यमी बन रहे हैं। सरकार का वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट दृष्टिकोण लोककला, हस्तशिल्प और कृषि-आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा दे रहा है, जो राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को आर्थिक शक्ति में बदल रहा है।

सामाजिक और नैतिक विकास के प्रति सरकार की संवेदनशीलता भी उल्लेखनीय है। नशामुक्ति के लिए 1०0 नए केंद्र, विश्वविद्यालयों में नई किरण कार्यक्रम और युवा महोत्सवों के माध्यम से लाखों युवाओं को सकारात्मक दिशा दी जा रही है। खेलो इंडिया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान योजनाओं से युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित हो रही है। पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन में युवा स्वयंसेवकों की भागीदारी बढ़ाकर सरकार उनसे जिम्मेदार नागरिक बना रही है।

डिजिटल शासन में राजस्थान सरकार का योगदान प्रशंसनीय है। एकीकृत पोर्टल के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थी तक पहुँच रहा है, जिससे भ्रष्टाचार कम हुआ है और पारदर्शिता बढ़ी है। ग्रामीण इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल साक्षरता अभियान से दूरस्थ युवा भी मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

सरकार की ये नीतियाँ क्रियान्वयन स्तर पर भी मजबूत हैं। समयबद्ध मॉनिटरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट और फीडबैक तंत्र से सुधार निरंतर हो रहे हैं। चुनौतियाँ स्वाभाविक हैं, लेकिन सरकार का सक्रिय दृष्टिकोण जैसे भर्ती में सुधार और प्लेसमेंट कैंप समस्याओं का समाधान दर्शाता है।

राजस्थान सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विजन से युवा शक्ति को सही दिशा दी जा सकती है। ये नीतियाँ न केवल राजस्थान को समृद्ध बना रही हैं, बल्कि युवाओं को वैश्विक पटल पर प्रतिस्पर्धी बना रही है। युवाओं को अब सरकार के इस समर्थन पर भरोसा कर आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि नया दौर और नई नीतियाँ उनके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है।

आखिरकार, नई नीतियाँ और नया दौर तभी सार्थक होंगे जब वे केवल हुकूमत की भाषा न रहकर जनजीवन का अनुभव बन जाएँ। राजस्थान का युवा यदि अपने भीतर आत्मविश्वास, जिज्ञासा, संवेदनशीलता और साहस को जगाए, और सरकार यदि ईमानदारी, पारदर्शिता और दूरदृष्टि के साथ उसके साथ खड़ी रहे, तो यह साझेदारी राज्य को नए सामाजिकआर्थिक संस्कार की दिशा में ले जा सकती है। बदलती सरकारी सोच और जागरूक, सक्रिय, रचनात्मक युवा-इन दोनों की संयुक्त ऊर्जा ही राजस्थान के भविष्य की असली पूँजी है। यहाँ से आगे का रास्ता न केवल नीतियों की गुणवत्ता से तय होगा, बल्कि इस बात से भी कि युवा और व्यवस्था मिलकर कितनी गहराई से एकदूसरे पर भरोसा कर पाते हैं।

–अतिथि संपादक, अविनाश जोशी,

वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार



मणिमाला शर्मा

थार की तपिश में भी महिलाएं हार नहीं मानती हैं। गर्म हवाओं और सूखे के बीच वे उम्मीद और समाधान की नई उड़ान भर रही हैं। राजस्थान का रेगिस्तान हमेशा से कठोर रहा है। तेज धूप, कम बारिश और लगातार बदलते मौसम ने यहां की जिंदगी को चुनौतीपूर्ण बनाया है। पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश असंगठित हो गई है, गर्मी की अवधि लंबी और तीव्र हो गई है और पारंपरिक आजीविकाएं अब अनिश्चित हो चुकी हैं। इन बदलावों

राजस्थान में बढ़ता तापमान अब केवल मौसम की खबर नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट बन चुका है। पिछले दशकों में राज्य के कई हिस्सों में औसत अधिकतम और न्यूनतम तापमान लगातार बढ़ा है। गर्मी अब मार्च से शुरू होकर सितंबर तक खिंच जाती है। होटवेब के दिनों में खेतों में काम करना मुश्किल हो जाता है, स्कूलों में उपस्थिति घटती है और

आगजल कुछ इस तरह होगा :--पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित यह महोत्सव वर्ष 2०26 में 9 जनवरी से 11 जनवरी तक बीकानेर, राजस्थान में आयोजित हो रहा है। महोत्सव की शुरुआत ऐतिहासिक जुनागढ़ किले से निकलने वाली सजे-धजे ऊँटों की भव्य शोभायात्रा से होगी, जो बीकानेर की मुख्य सड़कों से गुजरते हुए डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में संपन्न होगी, जहाँ पारंपरिक आभूषणों और रंगीन वस्त्रों से सजे ऊँट तथा रंग-बिरंगे परिधानों में सजे उनके ऊँटपालक आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

ये रहेंगे “बीकानेर ऊँट उत्सव” में मुख्य पातिविधियाँ :--“बीकानेर ऊँट उत्सव” में ऐसी कई गतिविधियाँ हैं जो कि आपका ध्यानआकर्षण का केंद्र रहेंगी। महोत्सव के दौरान ऊँट दौड़, ऊँट नृत्य प्रदर्शन, ऊँट सजावट एवं फर कटिंग प्रतियोगिता, ऊँट दुहाई (दूध निकालने की पारंपरिक विधि) तथा ऊँट करतब जैसी गतिविधियाँ ऊँटों के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करेंगी। इसके साथ ही, पारंपरिक राजस्थानी लोक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियाँ होगी, हस्तशिल्प बाजार में स्थानीय उत्पाद उपलब्ध होंगे और फूड कोर्ट में प्रामाणिक राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकेगा।

आयोजन स्थलों की जानकारी :-- महोत्सव के प्रमुख आयोजन स्थल जुनागढ़ किला, करणी सिंह स्टेडियम, कैमल फार्म, रायसर सैंड ड्यूस्त तथा बीकानेर का पुराना शहर हैं, सभी कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से

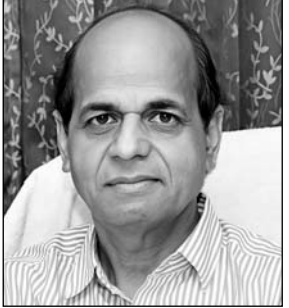
और लोक संगीत की धाप हवाओं में गूँज उठती है, तब बीकानेर एक जीवंत उत्सव में बदल जाता है। रेगिस्तान का 'हजाज' कहे जाने वाले ऊँटों की समर्पित “बीकानेर ऊँट उत्सव” न केवल राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करता है, बल्कि परंपरा, कला और रोमांच का अद्भुत संगम भी प्रस्तुत करता है। यह तीन दिवसीय उत्सव देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को राजस्थान की आत्मा से जोड़ने का अवसर देता है। “बीकानेर ऊँट उत्सव” रेगिस्तान के हजाज' कहे जाने वाले ऊँटों को समर्पित एक वार्षिक उत्सव है, जो राजस्थान की सतह से जुड़ी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। “बीकानेर ऊँट उत्सव” का



अंजलिका पंचार

राजस्थान की संस्कृति और जनजीवन में ऊँट अभिन्न हिस्सा है। जब थार की सुनहरी रेत पर सजे-धजे ऊँटों की कतारें कदमताल करती हैं

# वंदे मातरम् और गणतंत्र का नैतिक धरातल



डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी

वन्दे मातरम् केवल अतीत का गौरवान नहीं, बल्कि हमारे गणतंत्र का नैतिक भविष्य है। आज जब राष्ट्रवाद अक्सर नारों और प्रदर्शन की भेंट चढ़ जाता है, तब यह पंक्तियां हमें याद दिलाती हैं कि मातृभूमि की वास्तविक वंदना सदनों की मर्यादा, नागरिक कत्यूषों के पालन और आचरण की शुचिता में निहित है। डेढ़ शताब्दी की इस चेतना को 'उद्घोष' से 'किरदार' में बदलने का समय आ गया है।

भारतीय इतिहास के दीर्घ और बहुआयामी फलक पर कुछ शब्द ऐसे हैं जो केवल भाषा की संरचना नहीं रचते, बल्कि समय के साथ राष्ट्र की धड़कन में परिवर्तित हो जाते हैं। 'वन्दे मातरम्' ऐसा ही एक महामंत्र है, एक ऐसा उद्घोष है जिसने गत डेढ़ सौ वर्षों से भारत की सामूहिक चेतना को आलोकित, आंदोलित और दिशा प्रदान की है।

उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में, सन् 187० के दशक में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के अंतर्मन से उपजा यह गीत किसी औपचारिक काव्य के प्रयास का परिणाम नहीं था। यह उस सुप्त राष्ट्रीय चेतना का ओजस्वी स्वर था, जो औपनिवेशिक दासता की बेड़ियों में जकड़े भारत को अपनी

आत्मा को पहचानने का साहस दे रहा था। 1882 में प्रकाशित उनके उपन्यास आनंदमठ में समाहित यह गीत आगे चलकर केवल साहित्य नहीं रहा, यह स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा बन गया। वर्ष 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में संपन्न होगी, जहाँ पारंपरिक आभूषणों और रंगीन वस्त्रों से सजे ऊँट तथा रंग-बिरंगे परिधानों में सजे उनके ऊँटपालक आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

वन्दे मातरम् हमें अनुशासन, मर्यादा और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च निष्ठा की शिक्षा देता है। सदनों के भीतर होने वाला अमर्यादित व्यवहार न केवल लोकतंत्र की गरिमा को धूमिल करता है, बल्कि उस महामंत्र की मूल भावना का भी तिरस्कार करता है, जिसे गाते हुए हमारे पूर्वजों ने लाटियाँ खाई और कारवास स्वीकार किया। यदि नीतिगत मिश्रण के स्थान पर वैयक्तिक आक्षेप और विखंडन की राजनीति हावी होगी, तो वन्दे मातरम् का उद्घोष अपनी नैतिक साख खोने लगेगा। जनप्रतिनिधियों का आचरण ही वास्तव में मानव की शुचिता का वास्तविक संकेत है।

राजस्थान : जहाँ शौर्य ही वंदन है : जब वन्दे मातरम् के स्वर अरावली की पर्वत-श्रृंखलाओं से साक्षत करते हैं, तो उनकी गूँज और अधिक गहरी हो जाती है। वीर प्रसविनी राजस्थान वह भूमि है, जिसने इस गीत के रचे जाने से सदियों पूर्व ही मातृभूमि की वंदना को अपने जीवन का मूल मंत्र बना लिया था। यहाँ राष्ट्रभक्ति कोई आयातित विचार नहीं, बल्कि माटी का स्वाभाव है। चित्तौड़गढ़ के किले की प्राचीरें और हल्दीघाटी की माटी साक्षी हैं कि यहाँ के योद्धाओं ने सत्ता के आगे झुकने के बजाय घास की रोटियाँ खाना स्वीकार किया।

वीरशिरोमणि महाराणा प्रताप का संघर्ष वस्तुतः वन्दे मातरम् की

स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं।

महिलाओं पर इसका सबसे गहरा असर पड़ता है। खेतों, पशुपालन और घरेलू काम को वे तेज गर्मी में भी संभाल लेती हैं। लेकिन इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है, लड़कियों का स्कूल ड्रॉपआउट बढ़ता है और घर में बढ़ते काम के साथ उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इसी वजह से स्थानीय, जलवायु अनुकूल आजीविकाएँ जैसे सौर ऊर्जा, हथकरघा, ऊँट पालन आदि कार्य महिलाओं के लिए सिर्फ विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन गए हैं। यहाँ हम ऐसी ही कुछ महिलाओं की कहानी जर्नेगे जिन्होंने राजस्थान में जलवायु परिवर्तन को धता बताते हुए अपनी आजीविका का नया ज़रिया तैयार किया है।

1. सोरार मामा – अजमेर जिले के तिलोनिया गांव की सोलर मामा महिलाएं जलवायु समाधान की सबसे जीवंत मिसाल हैं। पहले केरोसिन लालटेन और डीजल जनरेटर आम थे, लेकिन आज वे महिलाएं सौर ऊर्जा सिस्टम लगाकर गांव को रोशन कर रही हैं। वे न सिर्फ बिजली पहुंचाती हैं, बल्कि सिस्टम की मरम्मत भी करती हैं। इससे

कार्बन उत्सर्जन कम होता है, आय स्थिर होती है और महिलाओं का सामाजिक सम्मान बढ़ता है।

2. हथकरघा– उदयपुर और आसपास के आदिवासी इलाकों में हथकरघा सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि जलवायु के अनुकूल उत्पादन प्रणाली है। मशीनों और रासायनिक रंगों के बजाय हाथ से बुना कपड़ा और प्राकृतिक रंगाई कम पानी, कम बिजली और न्यूनतम प्रदूषण पर आधारित है। भील और मीणा समुदाय की महिलाएं अब अपने उत्पादों को शहरों तक सीधी पहुंच दे रही हैं।

3. ऊंट पालन– बाड़मेर के रेगिस्तानी इलाके में ऊंट सदियों से जलवायु के अनुकूल पशु रहा है। कम पानी में जीवित रहने वाला यह जानवर आज स्थायी आय का स्रोत बन गया है। स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाएं ऊंट के दूध को संगठित तरीके से बाजार तक पहुंचा रही हैं। इससे परिवार की आय नियमित हुई है और महिलाओं की निर्णय लेने की क्षमता बढ़ी है।

4. पंचायत और पानी– बाड़मेर और आसपास के जिलों में महिला सरपंच अब जल प्रबंधन को

प्राथमिक मुद्दा बना रही हैं। पंचायत स्तर पर महिलाओं ने जल वितरण, टैंकर व्यवस्था और जागरूकता अभियान शुरू किए हैं।

जलवायु परिवर्तन के आंकड़े– राजस्थान जलवायु परिवर्तन की सबसे संवेदनशील राज्यों में है। पिछले 5० वर्षों में औसत तापमान लगभग 3.4 बढ़ा है। होटवेब के दिन बढ़े हैं और मानसून असंगठित हो गया है। इससे सूखा प्रभावित जिलों की संख्या बढ़ी है और गांवों में महिलाओं को पानी लाने की दूरी पहले से लंबी हो गई है।

छोटे कदम, बड़ा असर– राजस्थान की ग्रामीण महिलाएं जलवायु संकट के बीच नए समाधान खोज रही हैं। सोलर लाइट, हथकरघा, ऊंट पालन, जल संरक्षण और पंचायत नेतृत्व जैसे प्रयास जीवन को टिकाऊ और सशक्त बना रहे हैं। चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई हैं, लेकिन यह तय है कि राजस्थान की महिलाएं अब सिर्फ संघर्ष की कहानी नहीं, बल्कि समाधान और नेतृत्व की मिसाल बन रही हैं।

–मणिमाला शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

# राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करता है “बीकानेर ऊंट उत्सव”

ऊँटों को समर्पित “बीकानेर ऊँट उत्सव” परंपरा, कला व रोमांच का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है



अंजलिका पंचार

राजस्थान की संस्कृति और जनजीवन में ऊँट अभिन्न हिस्सा है। जब थार की सुनहरी रेत पर सजे-धजे ऊँटों की कतारें कदमताल करती हैं

आगजल कुछ इस तरह होगा :--पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित यह महोत्सव वर्ष 2०26 में 9 जनवरी से 11 जनवरी तक बीकानेर, राजस्थान में आयोजित हो रहा है। महोत्सव की शुरुआत ऐतिहासिक जुनागढ़ किले से निकलने वाली सजे-धजे ऊँटों की भव्य शोभायात्रा से होगी, जो बीकानेर की मुख्य सड़कों से गुजरते हुए डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में संपन्न होगी, जहाँ पारंपरिक आभूषणों और रंगीन वस्त्रों से सजे ऊँट तथा रंग-बिरंगे परिधानों में सजे उनके ऊँटपालक आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

ये रहेंगे “बीकानेर ऊँट उत्सव” में मुख्य पातिविधियाँ :--“बीकानेर ऊँट उत्सव” में ऐसी कई गतिविधियाँ हैं जो कि आपका ध्यानआकर्षण का केंद्र रहेंगी। महोत्सव के दौरान ऊँट दौड़, ऊँट नृत्य प्रदर्शन, ऊँट सजावट एवं फर कटिंग प्रतियोगिता, ऊँट दुहाई (दूध निकालने की पारंपरिक विधि) तथा ऊँट करतब जैसी गतिविधियाँ ऊँटों के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करेंगी। इसके साथ ही, पारंपरिक राजस्थानी लोक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियाँ होगी, हस्तशिल्प बाजार में स्थानीय उत्पाद उपलब्ध होंगे और फूड कोर्ट में प्रामाणिक राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकेगा।

आयोजन स्थलों की जानकारी :-- महोत्सव के प्रमुख आयोजन स्थल जुनागढ़ किला, करणी सिंह स्टेडियम, कैमल फार्म, रायसर सैंड ड्यूस्त तथा बीकानेर का पुराना शहर हैं, सभी कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से

रहेंगी। महोत्सव के दौरान ऊँट दौड़, ऊँट नृत्य प्रदर्शन, ऊँट सजावट एवं फर कटिंग प्रतियोगिता, ऊँट दुहाई (दूध निकालने की पारंपरिक विधि) तथा ऊँट करतब जैसी गतिविधियाँ ऊँटों के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करेंगी। इसके साथ ही, पारंपरिक राजस्थानी लोक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियाँ होगी, हस्तशिल्प बाजार में स्थानीय उत्पाद उपलब्ध होंगे और फूड कोर्ट में प्रामाणिक राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकेगा।

आयोजन स्थलों की जानकारी :-- महोत्सव के प्रमुख आयोजन स्थल जुनागढ़ किला, करणी सिंह स्टेडियम, कैमल फार्म, रायसर सैंड ड्यूस्त तथा बीकानेर का पुराना शहर हैं, सभी कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से

रात 1० बजे तक आयोजित होंगे और प्रवेश सभी के लिए नि:शुल्क रहेगा। आगंतुकों की सुविधा हेतु निकटतम हवाई अड्डा नाल है, जो बीकानेर से लगभग 2० किलोमीटर दूर स्थित है, जबकि बीकानेर रेलवे स्टेशन शहर के केंद्र से मात्र 1 किलोमीटर की दूरी पर है। अधिक जानकारी के लिए पर्यटक दूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर, बीकानेर से फोन नंबर ०151-22267०1 पर या ईमेल के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। यह महोत्सव राजस्थान की संस्कृतिक भूमिद्ध और ऊँटों की ऐतिहासिक भूमिका को करीब से अनुभव करने का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

अंजलिका पंचार, एपीआरओ, डीआईपीआर



पंडित अनिल शर्मा

कन्या, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरु-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 3:4० तक रहेगा। आज सप्तमी तिथि में वृद्धि हुई है। आज कालाष्टमी है। श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:4० से 9:58 तक, चर 12:34 से 1:52 तक, लाभ-अमृत 1: से 4:24 तक। राहूकाल: 9:00 से 1०:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:47

## राशिफल

शनिवार 10 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2०82, हस्त नक्षत्र दिन 3:4० तक, अतिरिङ्ग योग रात्रि 4:58 तक, बव करण प्रातः 8:24 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 4:53 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरु-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 3:4० तक रहेगा। आज सप्तमी तिथि में वृद्धि हुई है। आज कालाष्टमी है। श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:4० से 9:58 तक, चर 12:34 से 1:52 तक, लाभ-अमृत 1: से 4:24 तक। राहूकाल: 9:00 से 1०:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:47

**मे़ष** परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगे़गे।दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

**तुला** व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरिपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

**वृष** व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगे़गे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

**वृश्चिक** आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए/दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संपातित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति में सुधार होगा।

**मिथुन** घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

**धनु** व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में में आ रही परेशानियां दूर होने लगे़गी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कर्क** परिवार में मन को प्रसन करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

**मकर** नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगे़गे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

**सिंह** आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में किराया हो सकता है। खान-पान के विराम स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

**कुंभ** चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बग़ते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का पय है।

**कन्या** आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए/दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरिपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है।

**मीन** परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

# प्रियंका ने पायलट को केरल का मुख्य पर्यवेक्षक काफी सोच समझकर बनवाया है

सोच है कि केरल में के.सी. वेणुगोपाल की दादागिरी से अनावश्यक हानि न हो विधानसभा चुनाव में

**-रेणु मित्तल-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 9 जनवरी। प्रियंका गांधी असम में भाजपा के ताकतवर नेता और मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा से मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

असम के लिए स्त्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष बनने के बाद, प्रियंका गांधी अब कुछ राज्यों में चुनावी नैरेटिव (विषय वस्तु) पर नियंत्रण करने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं, साथ ही उन्होंने कुछ नेताओं को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त कर चुनावों और कांग्रेस नेताओं पर निगरानी रखने का भी फैसला किया है। इनमें से कई नेता चुनावों के दौरान दोगला खेल खेलते रहे हैं। गांधी परिवार के मित्र भंवर जितेन्द्र सिंह का उदाहरण लीजिए, जो असम के प्रभारी हैं। पिछली बार जब वे असम के प्रभारी थे, तब पार्टी बुरी तरह हार गई थी। अब उन्हें फिर से असम का प्रभारी

- पायलट, प्रियंका गांधी को रिपोर्ट करेंगे तथा अगर सभी नेताओं को समुचित मौका नहीं मिल रहा होगा तो यह बात भी प्रियंका गांधी तक पायलट ही पहुंचाएंगे।
- इसी प्रकार प्रियंका, भूपेश बघेल और डी.के. शिवकुमार को भी पर्यवेक्षक के रूप में असम ले गई हैं। यह दोनों भारी नेता हैं और असम में कांग्रेस नेताओं की आपसी फूट व कांग्रेस की रणनीति संबंधित खबरें “लीक” करने की प्रवृत्ति पर भी कुछ नियंत्रण तो लगेगा।
- साथ ही, दोनों नेता, डी.के. शिवकुमार व भूपेश बघेल की चुनाव अभियान में सक्रिय भूमिका रहने से, चुनाव खर्च के लिए पर्याप्त धन व साधन उपलब्ध कराये जा सकेंगे।
- अगर, कांग्रेस असम चुनाव जीत जाती है तो प्रियंका की राजनीति में चमक तो आएगी ही, राजस्थान की राजनीति पर भी काफी प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि वेणुगोपाल राजस्थान में गहलौत, डोटानगरा व रंथावा को पनपाना चाहते थे, उनका पक्ष लेते हैं तथा पायलट को रोकना चाहते हैं।

नियुक्त किया गया है, जहां पार्टी सत्ता में वापसी के लिए संघर्ष कर रही है। दिलचस्प बात यह है कि भंवर जितेन्द्र सिंह और उनकी टीम के बारे में रिपोर्ट्स बहुत सकारात्मक नहीं हैं। पार्टी नेतृत्व तक यह खबर पहुंची है कि उनके

एक सहयोगी ने टिकट देने के बदले पैसे लिए थे, जिससे कांग्रेस को काफी नुकसान हुआ। अब प्रियंका यह चाहती हैं कि टिकट वितरण पर उनका पूरा नियंत्रण हो। इसके साथ ही, प्रियंका ने भूपेश

बघेल और डीके शिवकुमार को असम के पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया है, ताकि चुनावों के लिए जरूरी फंड्स में कोई समस्या न आए। हेमंत बिस्वा सरमा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस (शेष पृष्ठ 5 पर)

## आई पैक पर ईडी की रेड, ममता जी की प्रतिक्रिया पर मतभेद हैं कांग्रेस के नेताओं में

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और राज्य नेताओं की प्रतिक्रियाएं एकदम उलट हैं

**-जाल खंभाता-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 9 जनवरी। एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) द्वारा इंडिया पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई पैक) के कार्यालय और आई पैक के सह-संस्थापक प्रतीक जैन के कोलकाता के लॉडन स्ट्रीट स्थित आवास पर एक साथ रेड और तलाशी ऑपरेशन को लेकर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रियाओं में मतभेद दिखाई दे रहा है। इस मामले में कांग्रेस के वैचारिक मतभेद विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के एक राष्ट्रीय स्तर के नेता और एक राज्य स्तर के नेता की प्रतिक्रिया में स्पष्ट हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने आई पैक कार्यालय और उसके सह-

- वरिष्ठ कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी, जो सुप्रीम कोर्ट के नामचीन वकील भी हैं, ने आई पैक पर रेड करने की ईडी की कार्यवाही की कड़ी निंदा की और कहा कि ईडी अब राजनैतिक सलाहकारों पर भी रेड करने लगा है।
- ज्ञातव्य है कि अभिषेक मनु सिंघवी कई हाई प्रोफाइल मामलों में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में ममता बनर्जी की सरकार की पैरवी कर चुके हैं।
- इसके विपरीत पश्चिम बंगाल के पूर्व पीसीसी प्रमुख, 5 बार सांसद रहे अधीर रंजन चौधरी ने ईडी की कार्यवाही पर ममता जी की घबराहट पर निशाना साधा और कहा, इसमें जरूर कोई राज की बात है।

संस्थापक प्रतीक जैन आवास पर ईडी की छापेमारी की आलोचना करते हुए

एक बयान जारी किया। (शेष पृष्ठ 5 पर)

## ‘कार्यकर्ता एनसीपी को एकजुट देखना चाहते हैं’

**-जाल खंभाता-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 9 जनवरी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने कहा है कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के कार्यकर्ता एक होना चाहते हैं और

- एनसीपी के प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा, दोनों धड़ों के कार्यकर्ता एक होना चाहते हैं और अब पवार परिवार में भी तनाव खत्म हो गया है।

पवार परिवार के भीतर सभी तनाव समाप्त हो गए हैं।

उन्होंने कहा, “दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता एकजुट होना चाहते हैं। दोनों एनसीपी अब एकजुट हैं। हमारे परिवार (शेष पृष्ठ 5 पर)

## ‘वर्ष 2025 में प्र.मंत्री मोदी और ट्रंप के बीच 8 बार फोन पर बात हुई’

विदेश मंत्रालय ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेरिका का दावा झूठा है कि मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया इसलिए ट्रेड डील नहीं हुई

**-श्रीनंद झा -**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 9 जनवरी। विदेश मंत्रालय ने आज अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक के इस बयान का खंडन किया कि “भारत-अमेरिका व्यापार समझौता इसलिए नहीं हो पाया, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, “2025 में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप ने आठ बार फोन पर बात की और कई मौकों पर दोनों देश समझौते के काफी करीब भी पहुंचे थे। इस बातचीत का जो वर्णन किया जा रहा है, और जो टिप्पणियां बताई जा रही हैं, वे सही नहीं हैं।” उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों देश पिछले साल फरवरी से द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर

- अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापारिक समझौता इसलिए नहीं हो सका, क्योंकि मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया था।
- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि गत वर्ष फरवरी से ही दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर वार्ता चल रही है और भारत अभी भी ट्रेड डील में रुचि रखता है।
- भारतीय अधिकारियों ने ट्रंप की इस बात का भी खंडन किया कि प्र.मंत्री मोदी उन्हें “सर” कहते हैं। अधिकारियों ने कहा कि मोदी विदेशी राष्ट्र प्रमुखों को “हिज एक्सलेंसी, प्राइम मिनिस्टर या मिस्टर प्रेसिडेंट” कहते हैं, सर नहीं।

बातचीत कर रहे हैं और दोनों पक्षों ने “एक संतुलित और दोनों के लिए लाभकारी व्यापार समझौता” करने के लिए कई दौर की बातचीत की है। उन्होंने

कहा कि भारत अब भी इस तरह के समझौते को अंतिम रूप देने में रुचि रखता है। इसी बीच, भारतीय अधिकारियों ने

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इस दावे का खंडन किया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें “सर” कहकर संबोधित किया था। अधिकारियों ने कहा कि मोदी वैश्विक नेताओं को संबोधित करते समय एक्सलेंसी, मिस्टर प्राइम मिनिस्टर या मिस्टर प्रेसिडेंट जैसे सम्मानसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन किसी के लिए भी “सर” शब्द का इस्तेमाल नहीं करते।

इससे पहले, अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने कहा था कि हालांकि अनुबंधों पर बातचीत हो चुकी थी और समझौते का ढांचा भी तैयार था, लेकिन उन्होंने यह भी कहा, “साफ- साफ कहें तो यह उनका (ट्रंप का) सीढ़ा है। वही इसे अंतिम रूप देंगे। सब कुछ तैयार था, लेकिन आपको मोदी से राष्ट्रपति को फोन करवाना था। वे (भारत) ऐसा (शेष पृष्ठ 5 पर)

## दिल्ली में सब स्कूल 15 जनवरी तक बंद रहेंगे

नई दिल्ली, 09 जनवरी। दिल्ली में पड़ रही कड़ाके की ठंड, ठंडी हवाओं और घने कोहरे को देखते हुए, शिक्षा निदेशालय ने छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। दिल्ली के सभी सरकारी, सरकारी

- कड़ाके की सर्दी और घने कोहरे में छात्रों की सुरक्षा के लिये यह निर्णय लिया गया।

सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को 15 जनवरी 2026 तक बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। यह विंटर ब्रेक 1 जनवरी 2026 से शुरू होकर 15 जनवरी तक चलेगा, जो 2025-26 शैक्षणिक सत्र के आधिकारिक कैलेंडर का हिस्सा है। शिक्षा निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि ये छुट्टियां पहले से निर्धारित हैं और राष्ट्रीय राजधानी में जनवरी की शुरुआत में आमतौर पर पड़ने वाली भीषण ठंड, घने (शेष पृष्ठ 5 पर)

और याचिकाकर्ता लीला की ओर से अधिवक्ता वासुदेव चरण और अधिवक्ता अभिषेक अखावत पैरवी के लिए पेश हुए थे।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि इस मामले में गंभीरता इससे भी बढ़ जाती है, क्योंकि याचिकाकर्ता के वकीलों ने मोबाइल फोन के ‘कई स्क्रीन शॉट’ साक्ष्य की तरह पेश किए हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि जेल के अधिकारी कैदियों से पैसे का लेन-देन कर रहे थे। अदालत ने कहा कि यह लेनदेन किसी कैदी को गैर कानूनी विशेष सुविधा पहुंचाने के लिए या वसूली-हफ्ता लेने के तौर पर किया जा रहा था। अदालत ने अपने आदेश में कहा (शेष पृष्ठ 5 पर)

हमला हुआ था। इस मामले में कैदी के परिजनों ने ही अदालत का दरवाजा खटखटया

- अदालत ने कहा कि इस मामले में मृतक के परिजनों ने मोबाईल फोन के कई स्क्रीन शॉट साक्ष्य की तरह पेश किए हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि जेल के अधिकारी कैदियों से पैसे का लेन-देन कर रहे थे।
- अदालत ने अपने आदेश में टिप्पणी करते हुए कहा है कि यह लेनदेन किसी कैदी को गैर कानूनी विशेष सुविधा पहुंचाने के लिए या वसूली-हफ्ता लेने के तौर पर किया जा रहा था।
- अदालत ने तथ्यों को देखते हुए कहा कि न्यायिक हिरासत में हुई मृत्यु के इस मामले में यह भी पता लगाना अत्यन्त आवश्यक है कि कैदी उस समय कौनसे सैल में बंद था जब उस पर जानलेवा हमला हुआ, उसके साथ और कौनसे कैदी बंद थे, और उस सैल की निगरानी करना किस जेल अधिकारी की जिम्मेदारी थी।

चोटें थीं, जिनसे काफी रक्त भी बहा था और सूजन भी थी। डॉक्टर ने रिपोर्ट में यह भी बताया कि ये चोटें कैदी को

पोस्टमार्टम से करीबन 6 घंटे पहले लगी हैं, यानी जब वह कैदी न्यायिक हिरासत में था, तब ही उस पर जानलेवा







# जनजाति क्षेत्र से जुड़े सुझावों को बजट में समाहित किया जाएगा- भजनलाल

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने शुक्रवार को जनजाति विकास के हितधारकों के साथ बजट पूर्व चर्चा की

जयपुर, 9 जनवरी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जनजाति विकास के हितधारकों के साथ बजट पूर्व चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं का

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बेणेश्वर धाम व मानगढ़ धाम को ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के अन्तर्गत विकसित किया जा रहा है। बेणेश्वर धाम में सोम, माही व जाखम नदी के संगम पर विशाल आदिवासी मेले को और भव्य बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।**

समाज से विशेष जुड़ाव होता है और वे समाज की चुनौतियाँ और आवश्यकताओं से भली-भांति परिचित होती हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि जनजाति क्षेत्र से जुड़े सुझावों को आगामी बजट में समाहित करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे प्रदेश में जनजाति कल्याण को नई दिशा मिल

## आई पैक पर ईडी ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
सिंचेवी ने कहा, “ईडी अब राजनीतिक सलाहकारों पर छापे मार रहा है, क्योंकि वह तथ्यों, सच्चाई या विश्वसनीयता पर छापे मारने में असफल हो चुका है। कोलकाता में आई पैक पर छापा भाजपा के दबाव की नीति का एक और उदाहरण है। जब लोकतंत्र असुविधाजनक हो जाता है, तो एजेंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।”
संयोगवश, सिंचेवी ने कई हाई प्रोफ़ाइल मामलों में ममता सरकार का सुप्रीम कोर्ट और कलकत्ता उच्च न्यायालय में प्रतिनिधित्व किया है।
हालाँकि, इस मामले पर राज्य कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पांच बार के लोकसभा सदस्य अधीर रंजन चौधरी ने एक बिलकुल अलग राय व्यक्त की, जिन्होंने ईडी की कार्रवाई के प्रति ममता बनर्जी की घबराहट पर सवाल उठाए।

## ‘कार्यकर्ता एनसीपी ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
में सभी तनाव समाप्त हो गए हैं।”
एनसीपी की स्थापना शरद पवार ने की थी। दो साल पहले जब उनके भतीजे अजित पवार ने विद्रोह किया था, तब पार्टी विभाजित हो गई थी। इसके बाद अजित पवार एनडीए में शामिल हो गए और उनपर मुख्यमंत्री बने।
अजित पवार को पार्टी का मूल नाम और मूल निशान “घड़ी” मिला, जबकि शरद पवार के गुट को नया नाम, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) और नया निशान, “ट्रम्पेट” मिला।
दोनों गुटों ने पिंपरी-चिंचवड़ नगरपालिका चुनाव के लिए एकजुट होने का निर्णय लिया है।

## क्या केन्द्र सरकार हिम्मत ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
भारत में लागू होने वाले सामान्य कानून मुख्यमंत्री की नज़ी से निर्लिंबित हो जाते हैं। अब यह चुनावी साल में केन्द्र सरकार और ममता बनर्जी के बीच सियासी खींचतान जैसा लग रहा है।
ई.डी. के अधिकारियों को, उचित कानूनी आदेशों के बावजूद, अपना सामान्य काम करने से रोकना, अवैध खनन से जुड़े अहम सबूत चुराना और पैसों को हवाला के जरिए घुमाना, ये सभी काम कानून के तहत स्पष्ट अपराध हैं। अब देखना होगा कि क्या ममता बनर्जी अपने हंगामे जारी रखकर जीत हासिल करती हैं या केन्द्र सरकार में उनके खिलाफ कल किए गए अपराधों पर कार्रवाई करने का साहस है। इस संघर्ष का राजनीतिक असर पड़ना तय है। केन्द्र को उनके हर दबाव और धमकी के सामने अपनी दृढ़ता दिखानी चाहिए।
कल ई.डी. कोलकाता में आई-पैक कंसल्टेंसी के दफ्तर में तलाशी और जब्ती की कार्रवाई कर रहा था। तभी पहले डिप्टी कमिश्नर और फिर कोलकाता के पुलिस कमिश्नर ने ई.डी. अधिकारियों को डराने-धमकाने की कोशिश की।
जब ई.डी. अधिकारी अपने पहचान पत्र और वारंट दिखा रहे थे, तभी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल पुलिस टीम के साथ मौके पर



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जनजाति विकास के हितधारकों के साथ बजट पूर्व चर्चा की।

सके।
शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनजाति संस्कृति तथा वैभव को संरक्षित करने के साथ ही पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। हमारी सरकार बेणेश्वर धाम तथा मानगढ़ धाम को ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के अंतर्गत विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि बेणेश्वर धाम में सोम, माही और जाखम नदी के संगम पर विशाल आदिवासी मेले को और भव्य बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिससे नई पीढ़ी को जनजाति इतिहास और संस्कृति से जोड़ा जा

सकेगा।
मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने गत बजट में जनजाति विकास कोष की राशि को एक हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर एक हजार 750 करोड़ रुपये करने की घोषणा की।

बैठक में उदयपुर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, सलूंवर, बारा, सिरोही सहित, प्रदेश के विभिन्न जिलों के जनजाति कल्याण से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं और संस्थाओं ने जनजाति वाहुल्य क्षेत्रों में शिक्षा, चिकित्सा, आधारभूत संरचना, रोजगार, सिंचाई

सहित, जनजाति कल्याण से जुड़े विषयों पर सुझाव दिए।

इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव जनजाति क्षेत्रीय विकास कुंजी लाल मीणा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित, संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं जनजाति क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## ‘जोधपुर ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
कि वे जेल में चल रहे भ्रष्टाचार से मुंह नहीं मोड़ सकते। अदालत ने कहा कि इस मामले में भी यह पता लगाना अत्यन्त आवश्यक है कि कैदी कौन से सेल में बंद था, जब उस पर जानलेवा हमला हुआ, उसके साथ और कौनसे कैदी बंद थे, और उस स्थल की निगरानी करना किस जेल अधिकारी की जिम्मेदारी थी। अदालत ने अपने आदेश में जांच के अनौपचारिक रवैये को देखते हुए कहा कि समय के साथ साक्ष्य और तथ्य धुंधिल और नष्ट हो जाते हैं और सच का पता लगाना मुश्किल या नसुमकिन हो जाता है। इसलिए जांच त्वरित की जानी चाहिए।

अदालत ने इस मामले में जोधपुर सेन्ट्रल जेल के जेलर, जेल के अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक को सत्यापन पत्र जारी कर बताने को कहा है कि किन स्थिति में कैदी की मृत्यु हुई थी। इस सत्यापन पत्र की कॉपी की प्रति जोधपुर मेट्रो के जिला जज को भी भेजी जायेगी। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने न्यायिक हिरासत में मारे गये कैदी के परिजनों द्वारा दायर याचिका को स्वीकार किया और त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए।

# अंकिता भंडारी केस की जांच सीबीआई करेगी

## उत्तराखंड सरकार ने मामला सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है

देहरादून, 09 जनवरी। उत्तराखंड के पौड़ी जिले मे एक रिसॉर्ट की कर्मचारी अंकिता भंडारी की मौत और दोषियों को आजीवन कारावास की सजा घोषित होने के बाद, मामले में किसी वीआईपी के शामिल होने से संबंधित दावों तथा लगातार चल रहे प्रदर्शनों के मद्देनजर शुक्रवार को राज्य सरकार ने इस प्रकरण की केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का फैसला किया और कहा कि इसके लिए संस्तुति की जा रही है।

प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किये जा रहे थे। विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने इस

## दिल्ली में सब ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
कोहरे और कम विजिबिलिटी को ध्यान में रखकर छात्रों की सुरक्षा के लिए लागू की गई है।

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर में न्यूनतम तापमान 5-8 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है, जिससे सुबह के समय घना कोहरा छाया रहता है। इससे बच्चों का

स्कूल जाना जोखिम भरा हो गया था। आईएमडी ने भी शीत लहर और कोहरे की चेतावनी जारी की है, जिसके चलते यात्रा प्रभावित हो रही है। कक्षा 9 से 12 के छात्रों के लिए कुछ स्कूल ऑनलाइन क्लासेस या अतिरिक्त पढ़ाई का विकल्प चुन सकते हैं, लेकिन छात्रों को बच्चों ( प्राइमरी और मिडिल ) के लिए स्कूल पूरी तरह बंद रहेंगे।

## प्रियंका ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
को पूरी तरह से युद्धस्तरीय तैयारी करनी होगी, और सुनिश्चित करना होगा कि कोई कमी न बूट जाए।
प्रियंका ने सचिन पायलट को केरल के लिए मुख्य पर्यवेक्षक नियुक्त किया है, जहां कांग्रेस पार्टी भारी आंतरिक कलह से जूझते हुए वापसी की कोशिश कर रही है। इसके अलावा, वहाँ के.सी. वेणुगोपाल की बड़ी मौजूदगी भी है, जो कांग्रेस में सत्ता को नियंत्रित करते हैं।

प्रियंका को वेणुगोपाल की कार्यशैली ज्यादा पसंद नहीं है। वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि पार्टी वेणुगोपाल की दादागिरी के कारण हार न जाए। इसीलिए सचिन पायलट को भेजा गया है, ताकि प्रियंका को फीडबैक मिल सके और केरल में कांग्रेस नेताओं के बीच बराबरी का माहौल बने।

राजस्थान में, वेणुगोपाल अशोक गहलोत, डोटासरा, और रंधावा का समर्थन कर रहे हैं, और वे सचिन पायलट के साथ नहीं हैं। यही कारण है कि राजस्थान में संघर्ष और दिलचस्प हो गया है।

अगर कांग्रेस असम में जीत जाती है, तो प्रियंका के लिए यह एक बड़ी सफलता होगी, जिससे कांग्रेस की राजनीति और भी रोमांचक हो जाएगी।

### रुस के जल्ट किए टैंकर से दो लोगों की रिहाई

मास्को, 09 जनवरी। रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी सेना द्वारा पकड़े गए रूसी ध्वज वाले तेल टैंकर मैरिनेरा के रूसी चालक दल के दो सदस्यों को रिहा करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले का स्वागत किया है।

मंत्रालय ने जारी किए एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह कदम क्रेमलिन के एक अनुरोध के जवाब में उठाया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, हम इस फैसले का स्वागत करते हैं और अमेरिकी नेतृत्व के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

■ **ये दोनों व्यक्ति रशियन हैं और रूस ने इनकी रिहाई के लिए ट्रंप को धन्यवाद कहा।**

इससे पहले, बुधवार को अमेरिकी यूरोपीय कमान ने स्कॉटलैंड के उत्तर पश्चिम में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मैरिनेरा को जब्त करने की घोषणा की थी। अमेरिकी युद्धपोतों ने कैरिबियन सागर से ही इस टैंकर का पीछा किया था। बेला वन, के पुराने नाम वाले इस टैंकर को वेनेजुएला के तेल निर्यात से संबंधित अमेरिकी प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन के आरोप में रोका गया था। इस जहाज पर कुल 28 लोग सवार थे जिनमें दो रूसी, 17 यूक्रेनी, तीन जॉर्जियाई और तीन भारतीय नागरिक शामिल हैं। अमेरिका ने पिछले साल के अंत में इस टैंकर पर तब नजर रखनी शुरू की थी जब इसने वेनेजुएला के पास जाने की कोशिश की थी। उस समय टैंकर के कप्तान ने अमेरिकी कोस्ट गार्ड की जहाज पर चढ़ ने की मांग को ठुकरा दिया था और अटलांटिक महासागर की ओर अपना रास्ता बदल लिया था।

# खाजूवाला के पास ढाई करोड़ रुपए की हैरोइन पकड़ी

बीकानेर, 9 जनवरी (निसं)। भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत खाजूवाला पुलिस और बीएसएफ को बड़ी सफलता मिली है। खाजूवाला उपरखंड क्षेत्र के चक 40 केजेडी इलाके में पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त टीम ने करीब आधा किलो हैरोइन जब्त की है। जब्त की गई हैरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब ढाई करोड़ रुपए बताई जा रही है। कार्रवाई बीएसएफ बीकानेर इंटेलिजेंस से मिली पुछ्छा सूचना के आधार पर की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हैरोइन ड्रोन के जरिए सीमा पार से फेंकी गई थी। हालांकि इस मामले में फिलहाल कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, बीते कुछ दिनों से बीएसएफ की जी ब्रांच को बॉर्डर एरिया में हेरोइन तस्करी को लेकर लगातार इनपुट मिल रहे थे। खासतौर पर घने कोहरे के चलते तस्करों द्वारा

इससे पहले, बुधवार को अमेरिकी यूरोपीय कमान ने स्कॉटलैंड के उत्तर पश्चिम में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मैरिनेरा को जब्त करने की घोषणा की थी। अमेरिकी युद्धपोतों ने कैरिबियन सागर से ही इस टैंकर का पीछा किया था। बेला वन, के पुराने नाम वाले इस टैंकर को वेनेजुएला के तेल निर्यात से संबंधित अमेरिकी प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन के आरोप में रोका गया था। इस जहाज पर कुल 28 लोग सवार थे जिनमें दो रूसी, 17 यूक्रेनी, तीन जॉर्जियाई और तीन भारतीय नागरिक शामिल हैं। अमेरिका ने पिछले साल के अंत में इस टैंकर पर तब नजर रखनी शुरू की थी जब इसने वेनेजुएला के पास जाने की कोशिश की थी। उस समय टैंकर के कप्तान ने अमेरिकी कोस्ट गार्ड की जहाज पर चढ़ ने की मांग को ठुकरा दिया था और अटलांटिक महासागर की ओर अपना रास्ता बदल लिया था।

## रुस ने यूक्रेन पर हाइपरसोनिक मिसाइल दागी

मास्को, 09 जनवरी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि रूसी सेना ने ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का उपयोग करते हुए यूक्रेन की महत्वपूर्ण सुविधाओं पर बड़ा हमला किया। मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में उच्च सटीकता वाले लंबी दूरी की जमीनी एवं समुद्री हथियारों के साथ-साथ लड़ाकू ड्रोन भी शामिल थे। इसने आगे कहा कि लक्ष्यों में ड्रोन उत्पादन सुविधाएं और यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक परिसर के संचालन में सहायक ऊर्जा अवसंरचना

■ **घने कोहरे की आड़ में सीमा पार से ड्रोन द्वारा यह हैरोइन फेंकी गई थी।**

ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ भेजे जाने की आशंका जताई जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए बीएसएफ इंटेलिजेंस पूरी तरह सतर्क थी और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त ऑपरेशन की रणनीति बनाई गई। अलसुबह खाजूवाला पुलिस और बीएसएफ की टीम ने चक 40 केजेडी क्षेत्र में संयुक्त सर्च ऑपरेशन शुरू किया। तलाशी के दौरान एक संधिध पैकेट मिला, जिसे खोलने पर उसमें करीब 500 ग्राम हैरोइन बरामद हुई। तुरंत मौके पर मौजूद अधिकारियों को सूचना दी गई और क्षेत्र को घेराबंदी कर सुरक्षित किया गया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान खाजूवाला सीओ अमरजीत चावला और खाजूवाला थाना एसएचओ सुरेन्द्र प्रजापत के नेतृत्व में

## रुस ने यूक्रेन पर हाइपरसोनिक मिसाइल दागी

शामिल थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल उच्च गति प्राप्त करने में सक्षम है। नवंबर 2024 में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पुष्टि की थी कि रूस ने मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया और यूक्रेन के निम्नो शहर में लक्ष्यों को निशाना बनाया। मंत्रालय ने कहा कि यह हमला 30 दिसंबर, 2025 की रात नोवगोरोड क्षेत्र में राष्ट्रपति पुतिन के आवास पर लंबी दूरी के हमलावर ड्रोंनों द्वारा किए गए कथित यूक्रेनी हमले के जवाब में किया गया।

## राजकोट में भूकंप के झटके

### भूकंप के झटकों के कारण प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टी कर दी

राजको, 09 जनवरी। गुजरात के राजकोट जिले के जेतपुर, धोराजी, उपलेटा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गये। यहां एक के बाद एक, भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। बार-बार आ रहे भूकंपीय झटकों के चलते स्थानीय अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है।

इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के डेटा के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। सबसे तेज झटका सुबह 6:19 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.8 थी, इसके बाद, सुबह 8:34 बजे तक कुल 7 झटके दर्ज किए गए। भूकंप के झटकों से डरते लोग घर छोड़ खेतों की ओर भाग गए।

आईएसआर रिपोर्ट के अनुसार,

ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के डेटा के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। सबसे तेज झटका सुबह 6:19 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.8 थी, इसके बाद, सुबह 8:34 बजे तक कुल 7 झटके दर्ज किए गए। भूकंप के झटकों से डरते लोग घर छोड़ खेतों की ओर भाग गए।

आईएसआर रिपोर्ट के अनुसार, ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के डेटा के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। सबसे तेज झटका सुबह 6:19 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.8 थी, इसके बाद, सुबह 8:34 बजे तक कुल 7 झटके दर्ज किए गए। भूकंप के झटकों से डरते लोग घर छोड़ खेतों की ओर भाग गए।

आईएसआर रिपोर्ट के अनुसार, ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के डेटा के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। सबसे तेज झटका सुबह 6:19 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.8 थी, इसके बाद, सुबह 8:34 बजे तक कुल 7 झटके दर्ज किए गए। भूकंप के झटकों से डरते लोग घर छोड़ खेतों की ओर भाग गए।

आईएसआर रिपोर्ट के अनुसार, ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के डेटा के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। सबसे तेज झटका सुबह 6:19 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.8 थी, इसके बाद, सुबह 8:34 बजे तक कुल 7 झटके दर्ज किए गए। भूकंप के झटकों से डरते लोग घर छोड़ खेतों की ओर भाग गए।

आईएसआर रिपोर्ट के अनुसार, ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के डेटा के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। सबसे तेज झटका सुबह 6:19 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.8 थी, इसके बाद, सुबह 8:34 बजे तक कुल 7 झटके दर्ज किए गए। भूकंप के झटकों से डरते लोग घर छोड़ खेतों की ओर भाग गए।

आईएसआर रिपोर्ट के अनुसार, ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के डेटा के मुताबिक, शुक्रवार सुबह भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। सबसे तेज झटका सुबह 6:19 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 3.8 थी, इसके बाद, सुबह 8:34 बजे तक कुल 7 झटके दर्ज किए गए। भूकंप के झटकों से डरते लोग घर छोड़ खेतों की ओर भाग गए।

पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही। बीएसएफ के जवानों ने भी इलाके में गश्त बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस और बीएसएफ की टीमों आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चला रही हैं, ताकि तस्करों का कोई सुराग मिल सके।

पुलिस द्वारा जब्त किए गए पैकेट पर एक गोल मुहर लगी हुई है। मुहर पर ‘111’ और ‘2023’ अंकित है। इसके अलावा मुहर पर एक लॉयन की आकृति बनी हुई है और साथ में अंग्रेजी में लायन लिखा हुआ है। सुरक्षा एजेंसियां इस मुहर के जरिए तस्करों नेटवर्क से जुड़े सुराग जुटाने में लगी हुई हैं। मामले के बाद से सीमा क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं। ड्रोन मूवमेंट पर कड़ी नजर रखी जा रही है और रात के समय गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े लोगों तक पहुंचने के प्रयास किए जाएंगे। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और बरामद हैरोइन को सुरक्षित रखवाया गया है।

## संसद का ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )
का अभिभाषण होता है और उसके बाद आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों की परंपरा के अनुसार, इसके अलग-दिन एक फरवरी को बजट पेश किया जाता है।

पहले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण के बजटवाद प्रस्ताव पर और बजट पर चर्चा होती है। इसके बाद अवकाश के दौरान संसद की समितियां बजट पर मंत्रालय-वार विस्तृत चर्चा करती हैं। दूसरे चरण में वित्त विधेयक और अनुदान मांगों पर चर्चा होती है और उन्हें पारित किया जाता है।



# अब रिफाइंड शुगर को बोलो बाय बाय



- जंगली भिंडी (अबेलमास्कस मानीहाट) के रस से प्रोसेस किया हुआ जैविक गुड़
- No Additives • No Bleaching • 100% केमिकल फ्री प्रोसेसिंग
- गन्ने के रस से देशी तरीके से बना • कास्टिक सोडा रहित

## देशी गुड़



## देशी गुड़ पाउडर



- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लेटिनम शरबती राइस
- एलीट बासमती राइस
- पोहा
- लाकाडॉंग हल्दी पाउडर

- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- धनिया (सानुत)
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल

- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी

- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम
- देशी गुड़
- देशी गुड़ पाउडर

# OKEDIA™ Pavitra

COMING  
SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- मरवाना
- खजूर

- अंजीर
- मूंगफली
- लोंग
- इलायची

- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई

- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर

- मिश्री धागा
- मिश्री पाउडर
- चाय और भी बहुत कुछ

रिटेलर हो या कस्टमर:  
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

ORDER ON  
WEBSITE



ORDER ON  
WHATSAPP



ORDER ON  
APP



AVAILABLE AT



32000+ RETAILERS



SUPERMARKETS



QUICKCOM/ECOM



WEBSITE



WHATSAPP



APP



TOLL FREE